E-Learning Study Material

By- Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Economics Hons First Year

Q:- Define Profit.

(Profit is the financial benefit realised from the business activity when the revenues generated exceeds the costs and expenses incurred in the operation of such activities. Simply the Total Cost deducted from Total Revenue Yields Profit.)

Scanned with CamScanner

लाभ का अर्थ (Meaning of Profit):

एक उद्यमी या साहसी को जोखिम उठाने का जो प्रतिफल मिलता है उसे लाभ कहा जाता है। दूसरे शब्दों में राष्ट्रीय आय का वह भाग जो वितरण की प्रक्रिया (Process) में साहसियों को प्राप्त होता है वह लाभ कहलाता है। लाभ स्वभाव से अवशेष (residual in nature) होता है, अर्थात् अन्य साधनों को पुरस्कार देने के बाद जो भाग शेष बचे वही लाभ है।

लाभ की परिभाषा (Definition of Profit):-

विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने लाभ की विभिन्न प्रकार की परिभाषाएँ दी हैं। कुछ प्रमुख परिभाषाएं निम्नलिखित हैं-

(i) प्रो० जे० के० मेहता (J. K. Mehta) के अनुसार "इस प्रावैगिक संसार में मानव के उत्पादक कार्यों में अनिश्चितता तत्व एक चौथे प्रकार का त्याग उत्पन्न करता है। यह त्याग जोखिम उठाने का है या अनिश्चितता सहन करता है। इसको लाभ के द्वारा पुरस्कृत किया जाता है।

(The element of Uncertainty introduces a fourth category of Sacrifice in the productive activities of man in a dynamic world. This category is

Scanned with CamScanner

Risk-taking or, uncertainty-bearing. It is remunerated by Profit.)

(ii) प्रो० हेनरी ग्रेसन (Prof Henry Grayson) के अनुसार, "लाभ को नवप्रवर्तन करने का पुरस्कार जोखिम उठाने का पुरस्कार तथा बाजार में अपूर्ण-प्रतियोगिता के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं का परिणाम कहा जाता है। इनमें से कोई भी दशा अथवा दशाएँ आर्थिक लाभ को उत्पन्न ~~करती हैं~~ कर सकती हैं।"

(Profit may by considered as a reward for making innovations, a reward for accepting risk and uncertainties, a result of imperfection in the market, any one of these conditions or, a combination of them can give risk to economic Profit.)

(iii) प्रो० नाइट (Prof Knight) के अनुसार "आर्थिक विवेचना में शायद ही कोई शब्द अथवा धारणा ऐसी होगी जिसका प्रयोग उतने अधिक आश्चर्यजनक भिन्न के सुस्थापित अर्थों में किया गया हो जितना कि लाभ में किया गया है।"

(Perhaps no term or concept in economic discussion is used with a more bewildering variety of well-established meaning than Profit.)

(iv) प्रो० शुम्पीटर (Prof Schumpeter) के अनुसार - "लाभ साहसी के कार्य का प्रतिफल है अथवा वह जोखिम, अनिश्चितता तथा

Scanned with CamScanner

नव-प्रवर्तन के लिए किया जाने वाला भुगतान है।"
(Profit is the reward for the work of entrepreneur or, it is a payment of risks, uncertainties and innovations)

इस प्रकार उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि आधुनिक अर्थशास्त्री लाभ का अर्थ साहसी को जोखिम उठाने के बदले में मिलने वाले पारितोषिक से लगाते हैं। वर्तमान समय की उत्पादन प्रणाली अत्यन्त जटिल एवं जोखिमों से भरी हुई है। भविष्य में वस्तुओं की माँग क्या होगी? इसका पता लगाने से पूर्व ही उत्पादन कर लेना होता है। जब तक वस्तु बनकर तैयार न हो जाय तब तक यह डर लगा रहता है कि कहीं वस्तु की माँग में परिवर्तन न हो जाय। यदि ऐसा हुआ तो वह वस्तु उचित मूल्य पर नहीं बिकेगी। इसके अतिरिक्त नये नये अविष्कार होने, देश में अशान्ति व युद्धों के कारण मूल्य में परिवर्तन होने का भय रहता है। इन सब जोखिमों का सहन कर जो साहसी वस्तु उत्पादन करता है उसी को साहसी कहा जाता है और इन सब जोखिमों का सहन करने के बदले में उसे जो पुरस्कार मिलता है वही लाभ (Profit) है।

Scanned with CamScanner